राष्ट्रीय एकता

स्वाध्याय

परिच्छेद 1

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 24 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 12 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[देश-देश के ....

.... होना चाहिए]

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

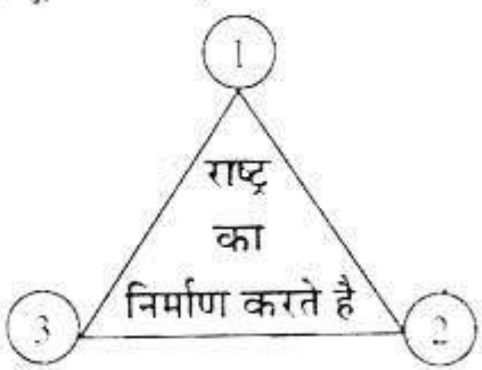

उत्तर: 1. देश

2. देश के निवासी

3. देश की संस्कृति

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. मातृभूमि 2. पितृभूमि
3. पुण्यभूमि 4. कर्मभूमि

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

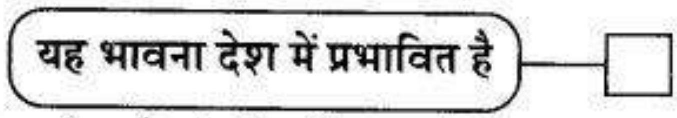

उत्तर: 'माता पृथ्वी, पुत्रोऽहं पृथिव्यां'

क्र.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

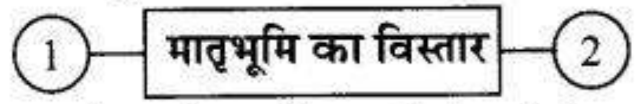

उत्तर: 1. केरल से कारगिल घाटी (कश्मीर)

2. गुवाहाटी से चौपाटी

क्र.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. शक . 2. हूण

3. कुषाण

क्र.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

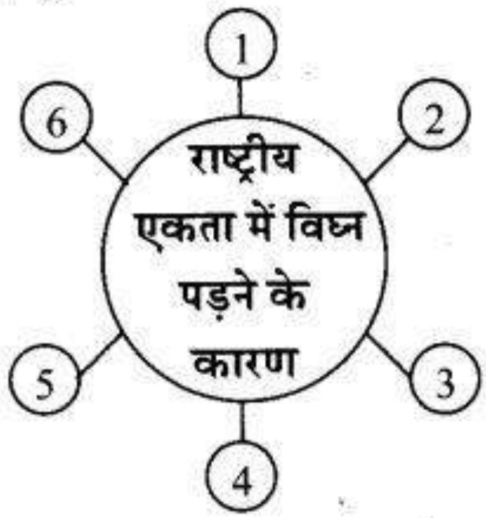

उत्तर: 1. भाषावार प्रांतों के नाम पर भाषाई दंगे होना।
2. क्षेत्रीयता का विकास होना।
3. आर्थिक विषमता के नाम पर अलग-अलग प्रांतों से अलग-अलग झंडे लेकर स्वायत्ता के नाम पर देश से अलग होने की माँग उठाना।
4. राजनीतिक दलों द्वारा मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़ा करना।
5. लोगों का मानसिक रूप से टूटना।
6. एकता के प्रति जनता की संवेदनशीलता का समाप्त होना।

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: राष्ट्रीय एकता का उद्घोष

कृ.8. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. हमने भारत देश को इस रूप में देखा है
2. इनके द्वारा रचित संपूर्ण साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का उद्घोष किया है
3. धीरे-धीरे एकता के प्रति जनता की यह खत्म हो गई

4. सरकार को अपनी बहुमूल्य शक्ति का उपयोग इसे बनाए रखने में करना पड़ रहा है ☐

उत्तर: 1. माँ 2. धर्माचार्यों

3. संवेदनशीलता 4. राष्ट्रीय एकता

कृ.9. संगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. इस पवित्र देश को माँ / पिता के रूप में देखा है।
2. जो अनादिकाल से सांस्कृतिक / पारंपरिक ढंग से अखंड रही है।
3. भाषावार प्रांतों के नाम पर भाषाई / धार्मिक दंगे प्रारंभ हुए।
4. सरकार की बहुमूल्य शक्ति का उपयोग विकास / उन्नति कार्यों में होना चाहिए।

उत्तर: 1. माँ 2. सांस्कृतिक

3. भाषाई 4. विकास

कृ.10.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. आक्रमण करने वाली जातियाँ भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गईं। ☐
2. धीरे-धीरे एकता के प्रति जनता की संवेदनशीलता बढ़ गई। ☐

उत्तर: 1. सत्य 2. असत्य

कृ.11.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. संपूर्ण साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का उद्घोष किया है।
2. जो अनादिकाल से सांस्कृतिक ढंग से अखंड रही है।
3. सरकार को अपनी बहुमूल्य शक्ति राष्ट्रीय एकता बनाए रखने में व्यर्थ करनी पड़ती है।
4. इन सबसे बढ़कर कर्मभूमि के रूप में देखा है।

उत्तर: 1. इन सबसे बढ़कर कर्मभूमि के रूप में देखा है।
2. जो अनादिकाल से सांस्कृतिक ढंग से अखंड रही है।
3. संपूर्ण साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का उद्घोष किया है।
4. सरकार को अपनी बहुमूल्य शक्ति राष्ट्रीय एकता बनाए रखने में व्यर्थ करनी पड़ती है।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए:

राष्ट्र, सरिता, ध्वज, रहिवासी, फैला, जगत

विस्तीर्ण, निवासी, झंडा, देश, नदी, विश्व

उत्तर: 1. राष्ट्र – देश　　2. सरिता – नदी
3. ध्वज – झंडा　　4. रहिवासी – निवासी
5. फैला – विस्तीर्ण　　6. जगत – विश्व

कृ.2. विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए:

विनाश, अपवित्र, परतंत्रता, तुच्छ, सौभाग्य, अव्यय, समता, खंडित

निर्माण, अखंड, बहुमूल्य, व्यय, पवित्र, दुर्भाग्य, स्वतंत्रता, विषमता

उत्तर:
1. विनाश – निर्माण
2. अपवित्र – पवित्र
3. परतंत्रता – स्वतंत्रता
4. तुच्छ – बहुमूल्य
5. सौभाग्य – दुर्भाग्य
6. अव्यय – व्यय
7. समता – विषमता
8. खंडित – अखंड

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

1. जाति
2. धर्माचार्यों
3. भाषा
4. दंगे

उत्तर:
1. जातियाँ
2. धर्माचार्य
3. भाषाएँ
4. दंगा

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.

र	जी	गि	का	ल	का

2.

प	ग	उ	ल	यो	क

उत्तर: 1. कारगिल 2. उपयोग

कृ.5. शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:

1. पुण्यभूमी, पुण्यभुमि, पुण्यभूमि, पूण्यभूमि
2. कर्‌मभूमि, करमभुमी, कर्मभूमी, कर्मभूमि
3. क्षेत्रियता, शेत्रियता, क्षेत्रीयता, श्रेत्रीयता
4. बहुमुल्य, बहूमुल्य, बहुमूल्य, बहूमूल्य

उत्तर:
1. पुण्यभूमि
2. कर्मभूमि
3. क्षेत्रीयता
4. बहुमूल्य

क्र.6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. घुल-मिल जाना 2. टूट जाना

उत्तर: 1. **घुल-मिल जाना** – एकरूप हो जाना।

वाक्य:विजय स्कूल में सभी बच्चों के साथ पहले दिन ही **घुल-मिल गया।**

2. **टूट जाना** – निराश होना।

वाक्य:काफी प्रयास करने के बाद भी परीक्षा में फेल होने से प्रकाश **टूट गया।**

क्र.7. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:

1. जिसने देश को मातृभूमि, पितृभूमि, पुण्यभूमि व इन सबसे बढ़कर कर्मभूमि के रूप में देखा है

2. इसी भावधारा के कारण भारत पर आक्रमण करने वाली शक, हूण व कुषाण जैसी जातियाँ भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गईं

उत्तर: 1. जिसने देश को मातृभूमि, पितृभूमि, पुण्यभूमि व इन सबसे बढ़कर कर्मभूमि के रूप में देखा है।

2. इसी भावधारा के कारण भारत पर आक्रमण करने वाली शक, हूण व कुषाण जैसी जातियाँ भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गईं।

क्र.8. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए:

1. पवित्र 2. मानसिक

3. संपूर्ण 4. राष्ट्रीय

उत्तर: 1. पवित्र + ता = पवित्रता

2. मानसिक + ता = मानसिकता

3. संपूर्ण + ता = संपूर्णता

4. राष्ट्रीय + ता = राष्ट्रीयता

क्र.9. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए:

1. उद्घोष 2. दुर्भाग्य

उत्तर: 1. उद् + घोष 2. दुः + भाग्य

उपसर्ग - उद् उपसर्ग - दुः

कृ.10.निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. और   2. के लिए

उत्तर: 1. रमेश **और** दुर्गेश घूमने के लिए अमेरिका जा रहे हैं।

2. माँ अपने बच्चों को सुख देने **के लिए** स्वयं काँटों के पथ पर चलती है।

कृ.11.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाएँ, सर्वनाम तथा क्रियाएँ खोजकर लिखिए:

1. जिसने देश को मातृभूमि, पितृभूमि, पुण्यभूमि व इन सबसे बढ़कर कर्मभूमि के रूप में देखा है।
2. इसी भावधारा के कारण भारत पर आक्रमण करने वाली शक, हूण व कुषाण जैसी जातियाँ भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गईं।

उत्तर:

	संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
1.	देश, मातृभूमि, पितृभूमि, पुण्यभूमि, कर्मभूमि	जिसने, इन	देखा (देखना)
2.	भारत, आक्रमण, शक, हूण, कुषाण, जातियाँ, भारतीय संस्कृति	इसी	घुल-मिल गईं

कृ.12.कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुनः लिखिए।

1. मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़ा कर दिया। (पूर्ण भूतकाल)
2. यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर: 1. मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़ा कर दिया था।

2. यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

कृ.13.निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1. मातृभूमि – ☐ 2. क्षेत्रीयता – ☐

उत्तर: 1. पितृभूमि 2. विषमता

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. माँ जैसे पवित्र रिश्ते से देश को संबोधित करने से कौन-सा लाभ हुआ है?

उत्तर: पुरातन काल से ही भारतवासियों ने भारत भूमि को माँ की उपाधि दी है। अनादिकाल से भारत वर्ष और भारतवासी, माता-पुत्र के पवित्र संबंध के कारण आज तक भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से अखंड रहे हैं। देश के विभिन्न प्रांतों के सभी धर्माचार्यों ने अपने साहित्य द्वारा राष्ट्रीय एकता का उद्घोष किया है। भारत पर शक, हूण व कुषाण जैसी जातियों ने आक्रमण किए लेकिन वे भी भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गईं।

इस प्रकार देश को माँ जैसे रिश्ते से संबोधित करने के कारण भारत देश सांस्कृतिक रूप से अखंड रहा है।

कृ.2. 'भाषावार प्रांतरचना' का देश की एकता पर क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: भाषावार प्रांत की रचना करने से भाषाई दंगे प्रारंभ हुए, क्षेत्रीयता का विकास हुआ और आर्थिक विषमता के नाम पर अलग-अलग झंडे लेकर स्वायत्ता के नाम पर देश से अलग होने की माँग की जाने लगी। राजनीतिक दलों ने मैदानों व नदियों को कठघरों में खड़ा कर दिया। लोग मानसिक रूप से टूटने लगे व धीरे-धीरे एकता के प्रति जनता की संवेदनशीलता समाप्त हो गई। राष्ट्र के विकास की गति रुक-सी गई। इस प्रकार भाषावार प्रांतरचना का देश की एकता पर विपरीत प्रभाव पड़ा।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. भाईचारा व एकता की भावना के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

उत्तर: भारत में कई धर्म, जाति व सम्प्रदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते है। यह विश्व का एकमात्र देश है जहाँ जाति, धर्म आदि में इतनी भिन्नताएँ हैं। इसके बावजूद हम एक सूत्र में बँधे हुए है। हमारे भीतर एकता की यह भावना हमारे देश को सुदृढ करती है। इस एकता के बगैर देश कदापि उन्नति नही कर सकता है। राष्ट्रीय एकता के बल पर हम बलवान शत्रु का भी आसानी से मुकाबला कर सकते हैं। यदि हमे अपने देश व अपना विकास करना है, तो हम सभी को एकता की भावना का विकास करना होगा।

परिच्छेद 2

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 24 पर दी गई पंक्तियाँ (13 से 27 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[सरकार ने ....

.... नष्ट हो गई।]

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. राष्ट्रीय एकता परिषद और ऐसे ही अन्य संगठनों की स्थापना करना।

2. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों व समाचारपत्रों द्वारा राष्ट्रीय एकता के विचार को प्रचारित करने का प्रयत्न करना।

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

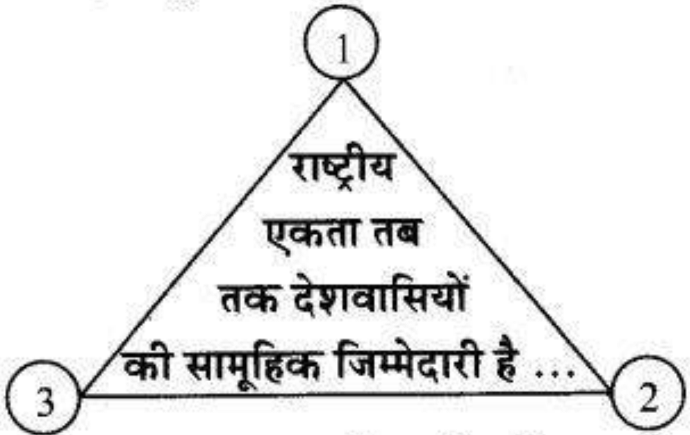

उत्तर: 1. जब तक वास्तविक सांप्रदायिक तत्त्वों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता है।

2. जब तक देश के क्षेत्रीय राजनेता अपने क्षेत्रीय स्वार्थों के विचारों की तिलांजलि देकर पृथकता की भावना का अंतिम संस्कार नहीं करते हैं।

3. जब तक अलगाववादी तत्त्वों को कठोर दंड देकर उन्हें मिलनेवाली विदेशी सहायता पूर्णत: नियंत्रित नहीं की जाती है।

कृ. 3. आकृति पूर्ण कीजिए:

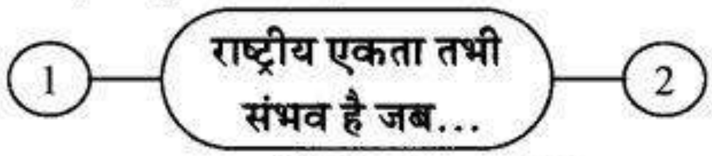

उत्तर: 1. हम यह न सोचें कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है।

2. हम यह सोचें कि हम देश के लिए क्या कर रहे हैं।

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

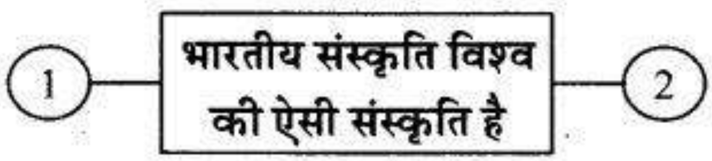

उत्तर: 1. सबसे महान 2. प्राचीनतम

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

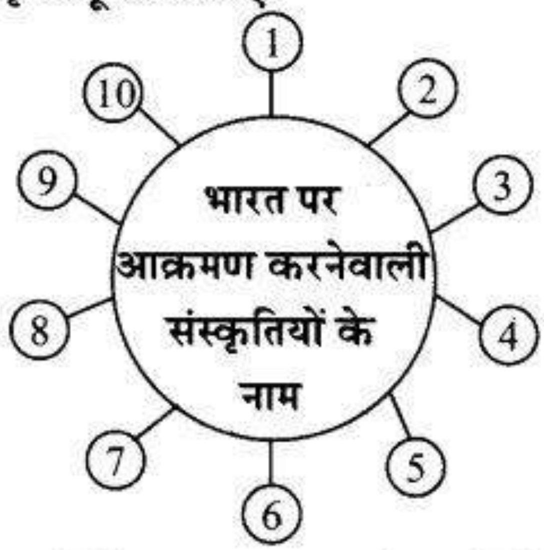

उत्तर:

1. शक
2. हूण
3. कुषाण
4. पारसी
5. यवन
6. तुर्क
7. पठान
8. अफगान
9. मुगल
10. ईसाई

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

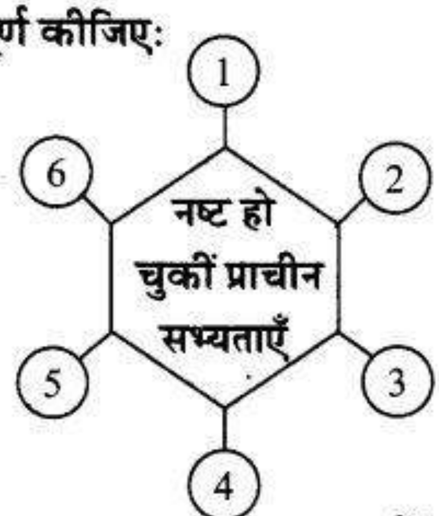

उत्तर:

1. चीन
2. सुमेरिया
3. मिस्र
4. यूनान
5. रोम
6. मेसोपोटामिया

कृ.7. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. किसी भी जाति, समुदाय या राष्ट्र के प्राचीन आदर्शों, आस्थाओं व विचारों का समूह यह कहलाता है ☐
2. भारतीय संस्कृति की आस्थाएँ प्राचीनकाल से इसके मूल्यों पर आधारित हैं ☐
3. भरतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है ☐
4. भरतीय संस्कृति इस कारण प्राचीनतम जीवित संस्कृति होने का गौरव प्राप्त कर सकी है ☐

उत्तर: 1. संस्कृति 2. समन्वय
3. लचीलापन 4. परिवर्तनशीलता

कृ.8. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. राष्ट्रीय _______ देशवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

(अखंडता, एकात्मता, एकता)

2. भारतीय संस्कृति ने सभी _______ को सहजता से स्वीकार किया।

(लोगों, धर्मों, परिवर्तनों)

उत्तर: 1. एकता 2. परिवर्तनों

कृ.9. संगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. जब तक वास्तविक / सभी सांप्रदायिक तत्त्वों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता।
2. राष्ट्रीय एकता देशवासियों / सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी है।
3. यह सोचें कि वे / हम देश के लिए क्या कर रहे हैं।
4. जो वर्तमान युग में भी अप्रासंगिक / प्रासंगिक है।

उत्तर: 1. वास्तविक 2. देशवासियों
3. हम 4. प्रासंगिक

कृ.10.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. इस दृष्टि से भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे महान और प्राचीनतम संस्कृति है।
2. यह न सोचें कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है।
3. प्राचीनतम जीवित संस्कृति होने का गौरव प्राप्त कर सकी।
4. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों व समाचारपत्रों द्वारा भी राष्ट्रीय एकता के विचार को प्रचारित करने का प्रयत्न किया जा रहा है।

उत्तर: 1. इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों व समाचारपत्रों द्वारा भी राष्ट्रीय एकता के विचार को प्रचारित करने का प्रयत्न किया जा रहा है।

2. यह न सोचें कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है।
3. इस दृष्टि से भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे महान और प्राचीनतम संस्कृति है।
4. प्राचीनतम जीवित संस्कृति होने का गौरव प्राप्त कर सकी।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1.	संस्था	2.	रोक
3.	मुमकिन	4.	हमला

उत्तर:

1.	संगठन	2.	प्रतिबंध
3.	संभव	4.	आक्रमण

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1.	नरम	2.	अनियंत्रित
3.	कठोरता	4.	अस्वीकार

उत्तर:

1.	कठोर	2.	नियंत्रित
3.	लचीलापन	4.	स्वीकार

कृ.3. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:

1. संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास करने के लिए की है।
2. आस्थाएँ प्राचीनकाल से समन्वय के मूल्यों पर आधारित रही हैं।

उत्तर: 1. **संगठन** की स्थापना राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास करने के लिए की है।

2. **आस्था** प्राचीनकाल से समन्वय के मूल्यों पर आधारित रही है।

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.	य	सं	र	त	स	का	र
2.	मु	स	य	दा	क	ल	वा

उत्तर: 1. सरकार 2. समुदाय

कृ.5. शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:

1. प्राचिनतम, प्राचीनतम, प्रचीनतम, पराचीनतम
2. मेसोपोटामिया, मेसोपाटामिया, मेसामोटामिया, मेसोपोटोमिया

उत्तर: 1. प्राचीनतम 2. मेसोपोटामिया

कृ.6. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ बताकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. तिलांजलि देना

उत्तर: **तिलांजलि देना** – त्याग करना।

वाक्य:अमित ने पैसों की कमी के कारण डॉक्टर बनने के सपने की **तिलांजलि दे दी**।

क्र.7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

1. राष्ट्रीय एकता का विचार का प्रचारित करने की प्रयत्न किया जा रहा है।
2. जिसकी आस्थाएँ प्राचीनकाल से समन्वय की मूल्यों पर आधारित रही हैं।

उत्तर: 1. राष्ट्रीय एकता **के** विचार **को** प्रचारित करने **का** प्रयत्न किया जा रहा है।

2. जिसकी आस्थाएँ प्राचीनकाल से समन्वय **के** मूल्यों पर आधारित रही हैं।

क्र.8. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुनः लिखिए:

1. किसी भी जाति समुदाय या राष्ट्र के उन प्राचीन आदर्शों आस्थाओं व विचारों का समूह संस्कृति कहलाता है
2. समकालीन मानी जाने वाली चीन सुमेरिया मिस्र यूनान रोम और मेसोपोटामिया की सभ्यताएँ नष्ट हो गईं।

उत्तर: 1. किसी भी जाति, समुदाय या राष्ट्र के उन प्राचीन आदर्शों, आस्थाओं व विचारों का समूह संस्कृति कहलाता है।

2. समकालीन मानी जाने वाली चीन, सुमेरिया, मिस्र, यूनान, रोम और मेसोपोटामिया की सभ्यताएँ नष्ट हो गईं।

क्र.9. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

1. नियंत्रित 2. प्रासंगिक

उत्तर: 1. अ +नियंत्रित – अनियंत्रित

2. अ + प्रासंगिक – अप्रासंगिक

क्र.10.निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए:

1. प्राचीन 2. महान

उत्तर: 1. प्राचीन + ता – प्राचीनता

2. महान + ता – महानता

क्र.11.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:

1. यह सोंचे कि हम देश के लिए क्या कर रहे हैं।
2. देश में शक, हूण, कुषाण, पारसी, यवन, तुर्क, पठान, अफगान, मुगल, ईसाई आदि संस्कृतियों के आक्रमण हुए।

उत्तर: 1. कि – समुच्चयबोधक अव्यय

के लिए – संबंधसूचक अव्यय

2. आदि – समुच्चयबोधक अव्यय

कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाएँ खोजकर लिखिए:

1. देश में शक, हूण, कुषाण, पारसी, यवन, तुर्क, पठान, अफगान, मुगल, ईसाई आदि संस्कृतियों के आक्रमण हुए।

उत्तर: देश, शक, हूण, कुषाण, पारसी, यवन, तुर्क, पठान, अफगान, मुगल, ईसाई, संस्कृतियों, आक्रमण

कृ.13.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम खोजकर लिखिए:

1. हम यह न सोचें कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है?
2. यह सोचें कि हम देश के लिए क्या कर रहे हैं?

उत्तर: 1. हम, यह, हमारे, क्या 2. यह, हम, क्या

कृ.14.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ खोजकर लिखिए:

1. विचारों का समूह संस्कृति कहलाता है।
2. यह समन्वय के मूल्यों पर आधारित रही है।

उत्तर: 1. कहलाता (कहलाना) 2. आधारित रही

कृ.15.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:

1. भारतीय संस्कृति एक गुलदस्ता है।
2. भारतीय संस्कृति ने सभी परिवर्तनों को स्वीकार किया।

उत्तर: 1. सामान्य वर्तमानकाल 2. सामान्य भूतकाल

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. भारतीय संस्कृति में लचीलेपन की विशेषता के कारण कौन-सा लाभ हुआ है?

उत्तर: भारतीय संस्कृति में लचीलेपन की विशेषता के कारण बाहर से आने वाली सभ्यताओं और संस्कृतियों को इस संस्कृति ने सहजता से स्वीकार कर लिया। देश में शक, हूण, कुषाण, पारसी, यवन, तुर्क, पठान, अफगान, मुगल, ईसाई आदि संस्कृतियों के आक्रमण हुए, लेकिन देश की संस्कृति ने किसी का विरोध नहीं किया, बल्कि सभी को अपने भीतर समा लिया। भारतीय संस्कृति के साथ की अन्य संस्कृतियाँ समाप्त हो गईं, लेकिन अपने लचीलेपन के कारण ही भारत देश की संस्कृति प्राचीनतम जीवित संस्कृति का गौरव प्राप्त कर सकी।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. सांप्रदायिक दंगों के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

उत्तर: किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय में मारपीट व हिंसा का स्थान नहीं है। कुछ असामाजिक तत्त्व सत्ता व अधिक से अधिक अधिकार प्राप्त करने के लालच में कमजोर व भोलेभाले लोगों को धर्म, भाषा, जाति के नाम पर

भड़काते हैं। इसके चलते देश में सांप्रदायिक दंगे होते हैं और शिकार होती है - आम जनता। वहीं दूसरी ओर इस आग को लगाने वाले सत्ता के लालची हिंसा की आग पर अपनी रोटियाँ सेकते हैं। हम सभी को इन सांप्रदायिक झड़पों को बल देने के बजाए आपसी सौहार्द से रहना चाहिए। आपसी भाईचारे से हमारा व देश का विकास होगा, जबकि हिंसा से सिर्फ हानि होती है।

परिच्छेद 3

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 25 पर दी गई पंक्तियाँ (27 से 41 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

।भारतीय संस्कृति में .... रक्षणीय है।।

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

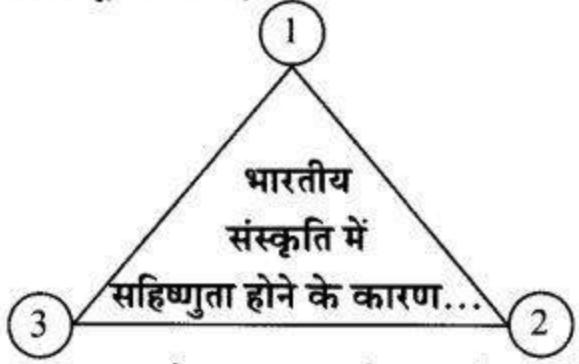

उत्तर: 1. यह अपने कट्टर आलोचक को भी स्नेह की दृष्टि से देखती है।

2. यह पुरातन होने के साथ-साथ चिर नवीन भी बनी हुई है।

3. भारतीय संस्कृति में विरोधी विचारधाराएँ एक साथ उपस्थित दिखाई देती हैं।

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

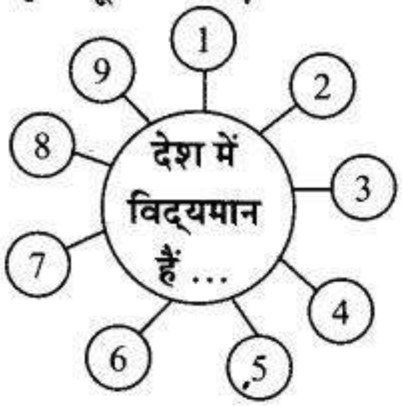

उत्तर: 1. नास्तिक व आस्तिक
2. मूर्तिपूजक व विरोधी
3. हिंदू
4. मुसलमान
5. ईसाई
6. मंदिर
7. मस्जिद व गिरिजाघर
8. अलग-अलग भाषाओं का प्रयोग करने वाले
9. पितृसत्तात्मक व मातृसत्तात्मक परिवार

क्र.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

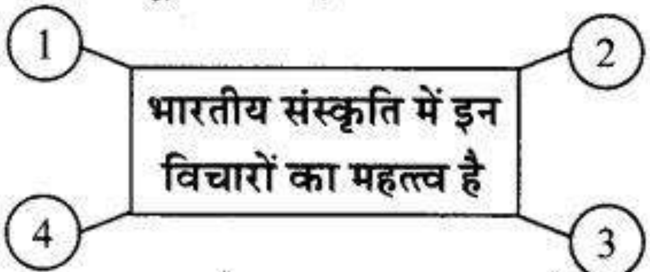

उत्तर: 1. सत्य 2. नैतिकता
3. ईमानदारी 4. अहिंसा के विचार

क्र.4 आकृति पूर्ण कीजिए:

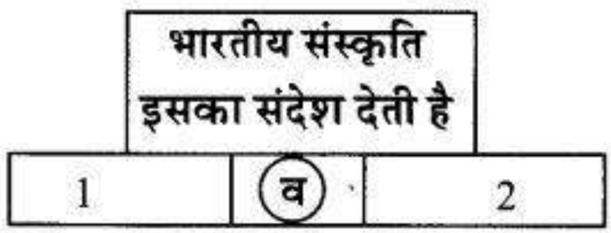

उत्तर: 1. विश्वशांति 2. विश्वबंधुत्व

क्र.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

1. अनेकता में एकता
2. आध्यात्मिक तत्त्वों को महत्त्व देना
3. विश्वशांति व विश्वबंधुत्व का संदेश देना

4. वैचारिक परिवर्तन में विश्वास रखना

क्र.6. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. इस संस्कृति में समन्वय का अनोखा गुण विद्यमान है ☐
2. भारतीय संस्कृति में इन तत्त्वों को अधिक महत्त्व दिया गया है ☐

उत्तर: 1. भारतीय 2. आध्यात्मिकता

क्र.7. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. इन्हें भारतीय संस्कृति ने सुंदर पुष्पों के रूप में मानकर स्वयं को सुगंध से भरपूर रंगीन _______ बनाया है।
(देश, धर्म, उपवन)

2. अनेकता में _______ भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है।
(अखंडता, ताकत, एकता)

3. भारतीय संस्कृति व्यक्तियों को एक-दूसरे का _______ करना सिखाती है।
(सम्मान, आदर, विभाजन)

4. भारतीय संस्कृति ने न केवल मानवधर्म अपितु _______ को भी जीवन के अनिवार्य मूल्यों में सम्मिलित किया है।
(प्राणीधर्म, विश्वधर्म, सर्वधर्म)

उत्तर: 1. उपवन 2. एकता
3. आदर 4. प्राणीधर्म

कृ.8. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. भारतीय संस्कृति अस्त्र-शस्त्र के प्रयोग से रहित है। [ ]
2. भारतीय संस्कृति विश्व के कई देशों में अस्थाई रूप से स्थापित हुई है। [ ]

उत्तर: 1. सत्य 2. असत्य

कृ.9. निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. भारतीय संस्कृति एक ऐसा गुलदस्ता है।
2. संस्कृति का यही स्वरूप हमारे लिए रक्षणीय है।
3. वैचारिक परिवर्तन में विश्वास रखने वाली भारतीय संस्कृति।
4. यह विश्व की एकमात्र ऐसी संस्कृति है।

उत्तर: 1. यह विश्व की एकमात्र ऐसी संस्कृति है।
2. वैचारिक परिवर्तन में विश्वास रखने वाली भारतीय संस्कृति।
3. भारतीय संस्कृति एक ऐसा गुलदस्ता है।
4. संस्कृति का यही स्वरूप हमारे लिए रक्षणीय है।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1. अद्भुत   2. मौजूद

उत्तर: 1. अनोखा   2. विद्यमान

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1. आस्तिक   2. दुर्गंध

3. अनादर   4. हिंसा

उत्तर: 1. नास्तिक   2. सुगंध

3. आदर   4. अहिंसा

कृ.3. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:

1. इसमें आध्यात्मिकता के <u>तत्वों</u> को अधिक महत्त्व दिया गया है।
2. विभिन्न विचारों व फूलों से सज्जित व स्नेह की <u>डोरी</u> में बँधा हुआ है।

उत्तर: 1. इसमें आध्यात्मिकता के **तत्त्व** को अधिक महत्त्व दिया गया है।

2. विभिन्न विचारों व फूलों से सज्जित व स्नेह की **डोरियों** में बँधे हुए हैं।

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.	ता	नै	क	ति	व	क	न
2.	री	ई	न	मा	क	दा	ब

उत्तर: 1. नैतिकता 2. ईमानदारी

कृ.5. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए:

1. अद्‌वितीय 2. कट्टर
3. तत्व 4. महत्व

उत्तर: 1. अद्‌वितीय 2. कट्‌टर
3. तत्त्व 4. महत्त्व

कृ.6. शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए:

1. सम्मिलीत, सम्मलित, सम्मिलित, सम्मलत
2. परीवर्तन, परिवर्तन, परिवरतन, परीर्वतन

उत्तर: 1. सम्मिलित 2. परिवर्तन

कृ.7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

1. आध्यात्मिकता का तत्त्वों की अधिक महत्त्व दिया गया है।
2. संस्कृति की यही स्वरूप हमारे लिए रक्षणीय है।

उत्तर: 1. आध्यात्मिकता **के** तत्त्वों **को** अधिक महत्त्व दिया गया है।

2. संस्कृति **का** यही स्वरूप हमारे लिए रक्षणीय है।

कृ.8. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए:

नैतिकता, अनेकता,
ईमानदारी, डोरी

उत्तर: 1. नैतिक + ता
प्रत्यय –ता

2. अनेक + ता
प्रत्यय –ता

3. ईमानदार + ई
प्रत्यय – ई

4. डोर + ई
प्रत्यय – ई

कृ.9. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. भी 2. और

उत्तर: 1. राम गाँव से आते वक्त मेरे लिए **भी** आम लेकर आया।

2. मम्मी **और** पापा आज घूमने जाएँगे।

कृ.10. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों के शब्द भेद पहचानकर लिखिए:

1. भारतीय <u>संस्कृति</u> में सहिष्णुता का <u>अद्‌वितीय</u> गुण पाया जाता है।

2. यह <u>विश्व</u> की एकमात्र <u>ऐसी</u> <u>संस्कृति</u> है।

उत्तर:

	संज्ञा	विशेषण
1.	संस्कृति	अद्‌वितीय
2.	विश्व, संस्कृति	ऐसी

कृ.11.निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों के शब्द भेद पहचानकर लिखिए:

1. यह पुरातन होने के साथ-साथ चिर नवीन बनी हुई है।
2. हमें एक-दूसरे का आदर करना सिखाती है।

उत्तर: सर्वनाम: 1. यह

2. हमें

क्रिया: 1. बनी (बनना)

2. सिखाती (सिखाना)

कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:

1. इसमें आध्यात्मिकता के तत्वों को अधिक महत्त्व दिया गया है।
2. गंदा पानी आ भी जाए तो वह गंगाजल बन जाता है।

उत्तर: 1. पूर्ण वर्तमानकाल

2. सामान्य वर्तमानकाल

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. भारतीय संस्कृति में निहित समन्वय की भावना के कारण भारत देश कैसा बना है?

उत्तर: भारतीय संस्कृति में निहित समन्वय की भावना के कारण देश में नास्तिक व आस्तिक, मूर्तिपूजक व विरोधी, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, मंदिर व गिरिजाघर, अलग-अलग भाषाओं का प्रयोग करने वाले पितृसत्तात्मक व मातृसत्तात्मक सभी परिवार विद्यमान हैं। संप्रदायों की अनेकता के बाद भी एकता इस संस्कृति की विशेषता रही है। समन्वय के इसी गुण के चलते भारतीय संस्कृति ने इन सभी भिन्नताओं को सुंदर पुष्पों के रूप में मानकर स्वयं को सुगंध से भरपूर रंगीन उपवन बनाया है। यह उपवन विभिन्न विचारों के फूलों से सुसज्जित होकर स्नेह की डोरी में बँधा हुआ एक गुलदस्ता जैसा है।

कृ.2. बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारत देश का वर्णन लेखक ने कैसे किया है?

उत्तर: बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारत देश का वर्णन लेखक ने एक गुलदस्ते के रूप में किया है। लेखक के अनुसार भारतीय संस्कृति एक ऐसे गुलदस्ते के समान है, जो विभिन्न विचारों के फूलों से सज्जित व स्नेह की डोरी में बँधा हुआ है। यह विश्व के प्रत्येक विचारक के लिए ऐसी गंगा का कार्य करता है, जिसमें यदि बुरे विचारों का गंदा पानी आ भी जाए, तो वह गंगाजल बन जाता है। लेखक के अनुसार संस्कृति का यही स्वरूप हमारे लिए रक्षणीय है, क्योंकि भारतीय संस्कृति सत्य, नैतिकता, ईमानदारी और अहिंसा के विचारों को महत्त्व देती है।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

उत्तर: भारत में गंगा नदी को माता का दर्जा प्राप्त है। धार्मिक ग्रंथों में देव नदी के रूप में इसका वर्णन मिलता है। कहा जाता है कि इसमें श्रद्धा भाव से डुबकी लगाने से प्राणी के सारे पाप धुल जाते हैं। इन भावनाओं के बावजूद गंगा नदी प्रदूषण का शिकार बन चुकी है। इसका कारण हम स्वयं हैं। हमने गंगा में सिर्फ खुद को स्वच्छ करने की कोशिश की, लेकिन कभी गंगा की स्वच्छता की फिक्र नहीं की। आज गंगा के घाटों पर गंदगी का साम्राज्य है। आस-पास के नालों-गटरों का गंदा पानी उसमें छोड़ा जाता है। विभिन्न कारखानों से निकलने वाले तरह-तरह के केमिकल कचरों की निकासी गंगा में होती है। इससे हमारी देव नदी प्रदूषित हो चुकी है। सरकार की ओर से 'स्वच्छ भारत' मुहिम के अंतर्गत गंगा को स्वच्छ करने की 'गंगा शुद्धिकरण' योजना पर जोर दिया जा रहा है। यह तभी संभव होगा, जब हम सभी मिलकर गंगा को स्वच्छ करने का संकल्प लें। ऐसे दृढ़ संकल्प के साथ ही आने वाले भविष्य में हमें पतित-पावनी गंगा की निर्मल व शुद्ध जलधारा देखने को मिल सकती है।